वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल), 'मिनि रत्न ' केट-1 सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है जो " महारत्न " सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम 'कोल इंडिया लिमिटेड' की एक सहायक अनुषंगी उपक्रम है | वर्ष 1975 में नागपुर महाराष्ट्र में कार्पोरेट कार्यालय की स्थापना के साथ डब्ल्यू सी एल, कोयला खनन और विपणन में लगा हुआ है | यह मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों के विभिन्न भागों में **10** क्षेत्रों में स्थित **82** भूमिगत और खुली कोयला खानों के माध्यम से कोयला खनन और विपणन व्यवसाय में तत्पर है |

31 मार्च 2012 के गणना के आधार पर वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने **56,989** पुरुषों और महिलाओं के एक जुट परिश्रम परिणाम स्वरूप वित्तीय वर्ष 2011-12 में **43.11** मिलियन टन कोयले का उत्पादन और **41.97** मिलियन टन की मात्रा में कोयले का विपणन किया है |

वित्तीय वर्ष 2011-12 में **440.50** करोड़ रुपए के शुद्ध लाभ के साथ कंपनी का सकल कारोबार **8357** करोड़ रुपए था. डब्ल्यूसीएल महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में सबसे ज्यादा आयकर दाता के रूप में उभरा है |

समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) द्वारा निर्धारित मापदण्डों में कंपनी द्वारा लगातार उत्कृष्ट रेटिंग हासिल की है |

कंपनी द्वारा केन्द्रीय सरकार को कॉर्पोरेट टैक्स और लाभांश टैक्स के रूप में वर्ष 2011-12 के दौरान **389.57** करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है. इसके अलावा वर्ष 2011-12 के दौरान राज्य / केन्द्रीय राजकोष में कंपनी द्वारा रॉयल्टी, बिक्री कर और अन्य लेवीस के रूप में लगभग **1529.69** करोड़ रुपए का योगदान दिया है |

कंपनी के प्रमुख ग्राहकों में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश और पंजाब राज्य में स्थित विद्युत बोर्ड और इस्पात, सीमेंट, रसायन, उर्वरक, कागज और ईंट उद्योग जैसे बुनियादी ढांचे उपक्रम शामिल हैं |

* * * * * * * * * *

कोल इंडिया लिमिटेड में प्रशिक्षण नीति

- मौजूदा कर्मचारियों के सुनियोजित विकास के माध्यम से कुशल जनशक्ति की उपलब्धता की सुविधा

- ऑपरेटरों और रखरखाव कर्मियों के लिए एचईएमएम उपकरणों के संदर्भ में बुनियादी और रिफ्रेशर प्रशिक्षण का संचालन करने के लिए.

- विभागीय परीक्षा के लिए पात्र कर्मचारियों को सांविधिक योग्यता प्राप्त करने एवम कैरियर के विकास के उद्देश्य से गहन प्रशिक्षण द्वारा कर्मचारियों को तैयार करना |

- कामगार और पर्यवेक्षकों को परिष्कृत कला के साथ अच्छी तरह से प्रौद्योगिकी उद्यम के साथ एकीकृत करने के लिए सामान्य विकास कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए.

- एक मानक योजना के माध्यम से प्रबंधन प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण.

- प्रशिक्षण प्रतिष्ठान IICM, रांची में केंद्रस्थ घरेलू कार्यक्रम आयोजित कर, E-7 से और ऊपर के स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों का विकास.

- प्रतिष्ठित संस्थानों और भारत में व्यावसायिक निकायों द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम के लिए नामांकन के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों को विकसित करने और अंतर संगठनात्मक प्रौद्योगिकी और प्रबंधन विज्ञान के क्षेत्रों में विकास को आत्मसात करने की सुविधा प्रदान करना.

- कर्मचारियों के कौशल विकसित कर, सामरिक पदों पर कार्यरत कर्मचारियों की प्रबंधकीय और तकनीकी क्षमता बढ़ाने में मदद हेतु, विदेशी सरकार और उपकरण निर्माताओं द्वारा आयोजित विदेशों में प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी के अवसर प्रदान करना .

- प्रशिक्षण और नवीकरण / कौशल में सुधार के लिए बढ़ती जरूरतों को पूरा करने हेतु कोल इंडिया में अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से निम्नलिखित श्रेणियां में प्रशिक्षण संस्थानों को स्थापित किया है.

    - प्रबंधन विकास प्रशिक्षण
    - एच ई एम एम उपकरण प्रशिक्षण
    - पर्यवेक्षी प्रशिक्षण
    - श्रमिक प्रशिक्षण

मौजूदा जनशक्ति का विकास के साथ साथ तकनीकी विकास और उत्पादन की मांग से अच्छी तरह से निपटने के संदर्भ में स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाते हुये, कोल इंडिया में मानव संसाधन विकास जोर स्थापित किये जाने पर जोर दिया गया है.

प्रशिक्षण का उद्देश्य

पर्यावरण गिरावट और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की क्षीणता पर बढ़ती चिंता से कार्य अधिक चुनौतीपूर्ण बन चुका है. शैक्षणिक और तकनीकी संस्थानों से अर्जित तकनीकी और प्रबंधकीय ज्ञान का अप्लाइड इंजीनियरिंग और प्रबंधकीय कौशल के साथ संपूरक होने की आवश्यक्ता है. खनन क्षेत्र जहां अप्रचलन की गति अक्सर एक विशेष कौशल के अधिग्रहण की गति पर भारी पडती है वहां प्रगतिशीलता और तीव्र गति से आगे बढ़ती प्रौद्योगिकियों का सामना करने के लिए इन कौशल को नियमित रूप से नवीनतम किया जाना है |

वे को लि में मानव संसाधन विकास

मानव संसाधन विकास, वेस्टर्न कोलफील्ड्स के प्रमुख संवेगी क्षेत्रों में से एक है. कर्मचारियों का ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण की महत्तव्ता, डब्ल्यूसीएल के प्रमुख कार्यों में से एक महत्वपूर्ण कार्य है. इसके अलावा मानव संसाधन विकास का एक और महत्वपूर्ण कार्य है - वैधानिक और नई परियोजनाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिये कुशल जनशक्ति को तैयार करना | प्रशिक्षण योग्य जनशक्ति के स्रोत, मौजूदा कर्मचारियों तथा भू-आश्रितों अथवा आश्रितों के रूप में नए प्रवेशकों को खानों में विभिन्न कार्यों पर पदस्थापित करने से पूर्व भली भांति प्रशिक्षित करना |

डब्ल्यूसीएल में निम्नलिखित प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया जाता है

1. प्रबंध विकास संस्थान, डब्ल्यूसीएल मुख्यालय नागपुर.
2. एचईएमएम प्रशिक्षण संस्थान, दुर्गापुर, चन्द्रपुर
3. श्रमिक प्रशिक्षण संस्थान, वर्धा
4. पर्यवेक्षी प्रशिक्षण संस्थान, छिंदवाड़ा.
5. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (12)

1. प्रबंध विकास संस्थान , नागपुर

वेस्टर्न कोलफील्ड्स के अधिकारियों के प्रशिक्षण और विकास के लिए मुख्य रूप से इस संस्थान की स्थापना की गई है. पाठ्यक्रमों की श्रंखला में प्रबंध विकास, कार्यात्मक कौशल अद्यतनीकरण , पार-कार्यात्मक और कंप्यूटर उपयोग संबंधी प्रशिक्षण शामिल है. प्रबंध विकास संस्थान अधिकारियों को दो दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जो अपने से एकदम भिन्न हो सकते हैं :

(1) विशेषज्ञों के शैक्षणिक दृष्टिकोण जो अपने संकाय क्षेत्रों नें निपुण हैं

(2) समस्याओं को सुलझाने में साझा अवधारणाओं का अनुप्रयोग जो उनके समकक्ष पेशेवर के दृष्टिकोण हैं

2. एच ई एम एम प्रशिक्षण संस्थान , दुर्गापुर

एचईएमएम प्रशिक्षण संस्थान, दुर्गापुर चंद्रपुर जिला मुख्यालय से 7 किमी की दूरी पर स्थित है. खुली खानों के लिए कुशल जनशक्ति के विकास का एक उद्देश्य के साथ यह प्रशिक्षण संस्थान 27/12/1988 को तत्कालीन माननीय कोयला मंत्री श्री सी के जाफर शरीफ के कर कमलों द्वारा स्थापित किया गया था.
इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. अपेक्षित क्षमता के साथ मौजूदा कर्मचारियों, पूर्व कर्मचारियों और भूमि विस्थापितों के आश्रितों के रूप में नए प्रवेशकों को एचईएमएम के संचालन, रखरखाव में कौशल हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ साथ डब्ल्यूसीएल की एचईएमएम ऑपरेटरों और यांत्रिकों से संबंधित जरूरतों को पूरा करना
2. मौजूदा कर्मचारियों को आंतरिक अधिकारियों सहित बाहरी तथा मूल उपकरण निर्माताओं के संकाय सदस्यों द्वारा एचईएमएम के संचालन और रखरखाव में ज्ञान को तरोताजा एवं विकसित करना |

3. श्रमिक प्रशिक्षण संस्थान , वर्धा

मौजूदा तकनीकी प्रगति के साथ निपटने और कुशल जनशक्ति की मांग को पूरा करने के लिए कामगार श्रमिकों कों उनके कौशल विकास और पुन: प्रशिक्षण के लिए दिसम्बर 1986 में श्रमिक प्रशिक्षण संस्थान, डब्ल्यूसीएल में स्थापित किया गया था.

डब्ल्यूसीएल बोर्ड द्वारा दिनांक 08/06/1988 को इस संस्थान को मंजूरी दी गई . विद्युत पर्यवेक्षक, बिजली, यांत्रिकी और शिक्षुता अधिनियम के तहत भूमि विस्थापितों और उनके आश्रितों को प्रशिक्षण दिये जाने के लिए प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार किया गया |

दिनांक 3 सितम्बर 1994 को यह प्रशिक्षण संस्थान का काफी विकास हुआ एवम यह संस्थान अपने खुद के भवन परिसर सावंगी मेघे, वर्धा, में स्थानांतरित किया गया, जो यवतमाल रोड पर वर्धा शहर से लगभग 5 किमी की दूरी पर है.

4. पर्यवेक्षी प्रशिक्षण संस्थान , छिंदवाड़ा

पर्यवेक्षी प्रशिक्षण संस्थान जून 1980 में छिंदवाड़ा में स्थापित किया गया - अनुकूल जलवायु के साथ, शांतचित्त शहर छिंदवाड़ा, सतपुड़ा पर्वतमाला की रानी पचमढ़ी, की प्रारम्भिक वादियों में नागपुर से 120 किलोमीटर उत्तर में स्थित है जो वे को लि के पेंच और कन्हान क्षेत्रों से समीपस्थ है |

सांविधिक परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कोचिंग पाठ्यक्रम, सुरक्षा के प्रति जागरूकता, सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (सुरक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलनों द्वारा सिफारिशों पर आधारित) पर पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, पिट सेफ्टी कमेटी के सदस्यों हेतु पाठ्यक्रम, कामगार निरीक्षक अनुस्थापन पाठ्यक्रम, सिक्यूरिटी जवानों हेतु पाठ्यक्रम, संस्थान द्वारा आयोजित किये जाने वाले पाठ्यक्रमों में से प्रमुख हैं एनसीवीटी पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षुता अधिनियम 1961 के तहत कौशल विकास के पाठ्यक्रम का संचालन की सुविधा भी संस्थान में उपलब्ध है.

बुनियादी सुविधाओं के साथ कोर संकायों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता के संयुक्त तत्वाधान में पर्यवेक्षी प्रशिक्षण संस्थान,छिंदवाड़ा में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत उपयोगी रहे हैं .

5. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र

खान व्यावसायिक प्रशिक्षण अधिनियम 1966 के अनुसार, सभी कर्मचारियों को खान में पदस्थापित करने के पूर्व, प्रारंभिक प्रशिक्षण (Initial Training) प्रदान करने के उद्येश्य से सभी क्षेत्रों में सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किये गये हैं जहां खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा जारी अनुशंसाओं पर आधारित खुली और भूमिगत खानों के कामगारों हेतु विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूल उपलब्ध हैं. इन कर्मचारियों के लिए 5 साल में एक बार पुनश्चर्या प्रशिक्षण का भी प्रावधान है. इसके अलावा, कर्मचारियों को खान व्यावसायिक प्रशिक्षण अधिनियम 1966 के अनुसार विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करना है . प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित 12 सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र हैं.

1. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, सास्ती, बल्लारपुर क्षेत्र
2. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, हिस्दुस्तान लालपेठ, चंद्रपुर क्षेत्र
3. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, सुकरी, कन्हान क्षेत्र
4. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, माजरी क्षेत्र
5. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, कामठी, नागपुर क्षेत्र
6. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, सिल्लेवाड़ा, नागपुर क्षेत्र
7. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, सावनेर, नागपुर क्षेत्र
8. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र,पाथाखेड़ा क्षेत्र
9. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, शिवपुरी, पेंच क्षेत्र
10. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, उमरेड क्षेत्र
11. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, घुग्घुस वणी क्षेत्र
12. सामूहिक खान व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र, प्रगति नगर, वणीनार्थ क्षेत्र

प्रमुख प्रशिक्षण गतिविधियां

वेस्टर्न कोलफील्ड्स द्वारा आयोजित प्रमुख प्रशिक्षण गतिविधियों निम्नानुसार हैं :-

1. खान व्यावसायिक प्रशिक्षण अधिनियम 1966 (संशोधित) की शर्तों का अनुपालन.
2. हमारे कर्मचारियों के ज्ञान, कौशल और प्रेरणा को बढ़ाने के लिए नेतृत्व विकास, प्रबंधन विकास और कौशल अद्यतन पाठ्यक्रम.
3. कोयला मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन के प्रावधानों का अनुपालन.
4. वार्षिक प्रशिक्षण योजना में निर्धारित लक्ष्य की उपलब्धि.
5. प्रशिक्षु अधिनियम 1986 (संशोधित) के प्रावधानों का अनुपालन.

हमारे संगठन में व्यक्तियों के विकास के लिए, व्यक्तिगत प्रशिक्षण योजनाओं, योजनाबद्ध मार्ग निर्धारण, प्रशिक्षण लक्ष्य एवं प्रत्येक की आवश्यकता अनुरूप विश्लेषण के आधार पर आवश्यक निरंतर शिक्षा निन्मानुसार सुनिश्चित की जाती है :-

1. तकनीकी छात्रों के लिए प्रशिक्षु अधिनियम 1986 (संशोधित) के प्रावधानों का अनुपालन
2. प्रवेशकों हेतु व्यवसायिक परामर्श.
3. पदोन्नति / सांविधिक परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले कर्मचारियों के लिए कोचिंग व्यवस्था |
4. अपने कर्मचारियों के लिए कौशल अद्यतनीकरण और प्रबंधन विकास कार्यक्रम
5. प्रवेशकों, तकनीकी शैक्षणिक अथवा प्रबंधन संस्थानों के छात्रों और अन्य खनन उद्योगों के कर्मचारियों के लिए कार्य-अनुभव प्रशिक्षण
6. व्यावसायिक निकायों द्वारा आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठी/ सेमिनार आदि में कर्मचारियों तथा अधिकारियों की भागीदारी

विविधताओं के साथ कार्यरत कर्मचारियों के विकास के लिए हमारा संगठन, डब्ल्यूसीएल में निम्नलिखित विमर्शक अभ्यास किये जा रहे हैं :-

1. अग्रणी पर्यवेक्षकों (फ्रंट लाइन सुपरवाइजर) हेतु सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (सेफ्टी मेंनेजमेंट सिस्टम) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम.
2. सुरक्षा समिति सदस्य (पिट सेफ्टी कमेटी) हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम.
3. कामगार निरीक्षकों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम फार वर्कमेन इंस्पेक्टर)
4. विभिन्न कुशल व्यक्तियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम. (रिफ्रेशर प्रोग्राम)
5. नई प्रौद्योगिकी से संबंधित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्पेशल प्रोग्राम)
6. मूल उपकरण निर्माता (ओरिजिनल इक्युप्मेंट मेनुफेक्चरर) द्वारा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
7. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला और खान सुरक्षा महानिदेशालय, धनबाद द्वारा आयोजित स्तर नियंत्रण प्रबंधन (स्ट्राटा कंट्रोल मेंनेजमेंट) पर प्रशिक्षण
8. सेफ्टी इन माइंस टेस्टिंग एंड रिसर्च स्टेशन, (SIMTARS), क्वींसलेंड, आस्ट्रेलिया द्वारा हमारे अधिकारियों/पर्यवेक्षकों हेतु जोखिम प्रबंधन (रिस्क मेनेजमेंट) विषय पर संरचित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया |

प्रमुख उपलब्धियां

प्रशिक्षण से संबंधित वेस्टर्न कोलफील्ड्स की प्रमुख उपलब्धियां हैं :-

कर्मचारियों के कौशल में सुधार :

इस पद्धित में कर्मियों के बीच अप्राप्त कौशल की रिक्ती के अंतर को पाटने के संबंध पर जोर दिया है. व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और दिशा विन्यास की संकल्पना को ध्यानपूर्वक तदात्मय कौशल में व्यवस्थित तरीके से अपनाई जा रही है. यह कर्मचारियों को समय पर उनकी कार्य दक्षता प्रभावी ढंग से और कुशलतापूर्वक निभाने में सहायक सिद्ध हुई है .

ज्ञान वृद्धि :

सर्वोत्तम प्रथाओं और नई प्रौद्योगिकी को उजागर करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है . यह कर्मचारियों को उनके काम को व्यवस्थित, सुरक्षित, आर्थिक और पर्यावरण के अनुकूल तरीके में कार्य करने में सहायक है . यह कर्मचारियों को सभी प्रासंगिक नियम विनियमन और एक व्यवस्थित तरीके से काम करने की प्रक्रिया के पालन करने में मदद करता है.

प्रेरणा और जागरूकता :

हमारे कर्मचारियों में अपने कार्यस्थल पर एक स्वस्थ और प्रेरक अनुकूल माहौल बनाये रखने की प्रेरणा और जागरूकता के स्तर में काफी वृद्धि हुई है . यह औद्योगिक, प्रशासनिक और अनुशासनात्मक समस्याओं को कम करने में सहायक सिद्ध हुई है .